साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 4 | अंक : 19 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 14 दिसंबर से 20 दिसंबर 2023 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

पानी टंकी से गिरकर 1 की मौत

गोंदिया–चिचगढ़ थाने के तहत भागी में पानी की टंकी के निर्माण कार्य के दौरान बिगड़ जाने से पानी टंकी से गिरकर तिरोड़ा तहसील के सतोना निवासी विलास रहांगडाले (34) की मृत्यु हो गई. इस प्रकरण में डा. प्रदीप जुडा की शिकायत पर पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है.

विभागीय तायक्वांडो स्पर्धा के लिए विभोर अग्रवाल का चयन जिल्हा स्तरीय स्पर्धा में स्वर्ण पदक

बुलंद गोंदिया। क्रीडा व युवक युवक सेवा संचालनालय ,महाराष्ट्र राज्य पुणे जिल्हा क्रीडा परिषद व जिल्हा क्रीडा अधिकारी कार्यालय गोंदिया के संयुक्त विद्यमान से गोंदिया जिल्हा स्तरीय आंतर शालेय तायक्वांडो स्पर्धा (2023-24) जिल्हा क्रीडा संकुल मरारटोली मेंआयोजित की गई। इस स्पर्धा (एन एम डी कॉलेज गोंदिया) के खिलाड़ी विभोर नवीन अग्रवाल ने अपने आयु व वजन गट में स्वर्ण पदक प्राप्त किया व नागपुर विभागीय तायक्वांडो स्पर्धा के लिए विभोर का

चयन हुआ।विभोर की सफलता पर विवेक तायक्वांडो एकेडमी के संचालक व प्रशिक्षक निलेश फुलबांधे, गोंदिया जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव दुलीचंद मेश्राम एन एम डी कॉलेज के कोच चेतन मानकर ने अभिनंदन किया।

रामपायली के दीपिका अग्रवाल हत्याकांड का निषेध

बुलंद गोंदिया। मध्यप्रदेश बालाघाट जिले के रामपायली नगर में प्रकाश अग्रवाल की पुत्रवधु सौ. दीपिका अग्रवाल की नृशंस हत्या 7 दिसंबर की गयी । इस हत्याकांड के विरोध में शुक्रवार 8 दिसंबर गोंदिया के अग्रवाल समाज नें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम का पत्र गोंदिया जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे को सौंपा। पत्र में देश के प्रधानमंत्री से दोषी पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही शीघ्र करने का निवेदन किया। ज्ञापन सौपतें समय प्रमुख रूप से श्री अग्रसेन स्मारक समिति ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष राम अग्रवाल,भवन आरक्षण प्रमुख

दिलीप अग्रवाल,अमरचंद अग्रवाल, विजय अग्रवाल, विनोद अग्रवाल,नीरज अग्रवाल, नटवर अग्रवाल, निखिल गोयल, पवन अग्रवाल, नीरज बी.अग्रवाल, दीपक पोद्दार, अपूर्व अग्रवाल , रितेश अग्रवाल, सारंग अग्रवाल, एकनाथ एन.अग्रवाल, कार्तिक अग्रवाल शामिल थे।

आमगांव चंपाष्टमी मेले को कृषि उत्पन्न बाजार समिति की अनाधिकृत मंजूरी नप के टैक्स की चोरी नागरिकों ने पत्र परिषद में प्रशासन पर लगाया आरोप

बुलंद गोंदिया (महेश मेश्राम आमगांव)– गोंदिया जिले के आमगांव शहर में प्रतिवर्ष नगर परिषद के मैदान पर चंपाष्टमी का मेला आयोजित किया जाता है। लेकिन कृषि उत्पन्न बाजार समिति द्वारा अनाधिकृत रूप से मेला लगाने की मंजूरी देकर मेले से मिलने वाले टैक्स (राजस्व) की चोरी की है। जिसमें नगर परिषद प्रशासक व तहसीलदार की भी आपसी शाटगाठ बताई गई है ऐसा आरोप नागरिकों द्वारा पत्र परिषद में लगाते हुए संबंधी दोसी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। गौरतलब है कि आमगांव नगर परिषद क्षेत्र के मौजा बनगांव गट क्रमांक 48 आराजी 066.00 भूमि अनेक वर्षों पूर्व नगर परिषद को हस्तांतरित की गई थी तथा इस बड़े मैदान पर प्रतिवर्ष वार्षिक उत्सव, क्रीडा स्पर्धा, सांस्कृतिक कार्यक्रम कला साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित किए जाते हैं। लेकिन चंपाष्टमी मेले के लिए कृषि उत्पन्न बाजार समिति आमगांव द्वारा उपरोक्त भूमि पर अपना अधिकार जताते हुए अनाधिकृत रूप से मंजूरी देते हुए नगर परिषद को मिलने वाले राजस्व टैक्स की वसूली स्वयं कर नगर परिषद के राजस्व पर डाका डाला है। साथ ही इस भूमि पर मवेशी बाजार का नीलामी कर नगर परिषद का टैक्स भी खुद वसूल कर रहे हैं। इस मामले में नागरिकों द्वारा लिखित रूप से शिकायत करने के बावजूद नगर परिषद प्रशासक तथा तहसीलदार कार्रवाई करने के स्थान पर मोन साधे नजर आ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष चंपाष्टमी के अवसर पर मेला लगाने के लिए नागरिकों की मांग पर शुभम मनोज कोटांगले के नाम से नगर परिषद प्रशासन में टैक्स जमा कर ठेका मंजूर करवाने के साथ ही मेले की मंजूरी ली थी तथा आगे की मंजूरी के लिए तहसील कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया था लेकिन कृषि उत्पन्न बाजार समिति द्वारा चंपाष्टमी के अवसर पर मेला लगाने के लिए अशरफ भाटी नमक ठेकेदार को ना हरकत प्रमाण पत्र देकर नगर परिषद की निजी जमीन पर विवाद निर्माण करते हुए मंजूरी प्रदान कर दी वह नगर परिषद के नियमों को तक पर रखा। इस मामले में आमगांव के नागरिकों द्वारा पत्र परिषद कर प्रशासन पर आरोप लगाया गया कि उपरोक्त मेले की मंजूरी के लिए अधिकारियों द्वारा आपसी शाटगाठ कर राजस्व को डूबते हुए स्वयं की जेब गर्म करते हुए अशरफ भट्टी नमक ठेकेदार को ठेका देकर भारी भ्रष्टाचार किया गया है।

बीना मंजूरी के शुरू किया मेला

चंपाष्टमी के अवसर पर अशरफ भाटी द्वारा कृषि उत्पन्न बाजार समिति, तहसीलदार व नगर परिषद प्रशासन की जेब गर्म कर बिना राजस्व जमा करवा मेला शुरू कर दिया गया था लेकिन इसकी जानकारी जब नागरिकों को आई तो इसका विरोध होने पर प्रशासन द्वारा आनंन –फानन में मंजूरी देने की प्रक्रिया शुरू की साथ ही नगर परिषद प्रशासन को मिलने वाले राजस्व पर डाका डालते हुए कृषि उत्पन्न बाजार समिति द्वारा स्वयं ही ठेके की राशि वसूल कर नगर परिषद के टैक्स पर डाका डालने का काम किया है,साथ ही नियमानुसार मेले की मंजूरी लेने वाले ठेकेदार शुभम कोटांगले का ठेका रद्द करने की का प्रस्ताव रखा गया है जो कि नियमों का उल्लंघन है। तहसीलदार रमेश कुंभरे द्वारा दबाव तंत्र अपनाते हुए अशरफ भाटी को ठेका मंजूरी प्रदान की गई है जिससे यह स्पष्ट होता है कि तहसीलदार व प्रशासक द्वारा नगर परिषद की राजस्व टैक्स को डुबाने में अपनी अहम भूमिका निभाई है। तहसीलदार व प्रशासक रमेश कुंभरे पर कार्रवाई की मांग नगर परिषद मलकियत की गट क्रमांक 48 की जमीन पर कृषि उत्पन्न बाजार समिति द्वारा नियमों को ताक पर रखकर वर्ष 2015 से मवेशी बाजार, चंपाष्टमी मेला का ठेका में भ्रष्टाचार किया गया इस मामले में नगर परिषद प्रशासक तथा तहसीलदार को नागरिकों द्वारा लिखित में शिकायत की गई किंतु किसी भी प्रकार की कार्रवाई न कर कृषि उत्पन्न बाजार समिति को संरक्षण दिया जा रहा है। जिसके कारण आमगांव नगर परिषद को मिलने वाले राजस्व की राशि को डुबाया जा रहा है। इस प्रकरण में जांच कर प्रशासक व तहसीलदार रमेश कुंभरे पर कार्रवाई की मांग पत्र परिषद में की गई। बाजार समिति पर हो प्रशासक की नियुक्ति नगर परिषद आमगांव के मालकियत की जमीन पर नियमों को ताक पर रखकर मवेशी बाजार व चंपाष्टमी मेले का ठेका देकर उसके टैक्स की चोरी कृषि उत्पन्न बाजार समिति के पदाधिकारी द्वारा की जा रही है साथ ही मिलने वाले राजस्व की राशि में भारी भ्रष्टाचार कर नगर परिषद प्रशासन को चूना लगाया जा रहा है। जिससे यह मामला गंभीर है इस मामले में जांच कर कृषि उत्पन्न बाजार समिति पर प्रशासक नियुक्त किए जाने की मांग भी की साथ ही वर्तमान संचालक मंडल को अपात्र घोषित किया जाए। आयोजित पत्र परिषद के अवसर पर प्रमोद शिवणकर, तीरथ येटरे, रामकिशन शिवणकर,बाळू वंजारी, सागर फुंडे,राम चक्रवर्ती, यशवंत मानकर, दिलीप फुंडे. पिंटू महारवाडे, विनोद डोये, मुकेश शिवणकर,मेघश्याम फुंडे, किशोर फुंडे, सतीश शिवणकर, सतीश थेर, विजय शेंडे, सतीश दोनोडे, लक्ष्मण शेंडे,तेजस कावळे, डॉ. ओमप्रकाश थेर, गोकुल बसेन,दिलीप मेश्राम, मोणू गिरी , संदीप भांडारकर,शिरीष भांडारकर,जितेश वाढई , मेघश्याम मेंढे आदी नागरीक एव युवक उपस्थित थे।

पिता की हत्या 30 साल बाद बेटे ने लिया बदला, हत्या को दिया था हादसे का रंग, पुलिस की जांच में खुलासा 2 आरोपी हिरासत में

बुलंद गोंदिया। पुलिस ने एक ऐसे प्रकरण का पर्दाफाश किया है जिसे पहले दुर्घटना दिखाया गया, पर जब तहकीकात की तो हत्या का मामला सामने आया। हत्या भी ऐसी, जो खून के बदले खून की भावना से की गई। एक बेटे ने अपने पिता के 30 साल पूर्व हुई हत्या के मामले पर मन में क्रोध की भावना रख उसकी हत्या कर दी। ये हत्या की वारदात 29 नवंबर 2023 को फुलचुर टोला से पिंडकेपार जाने वाले मार्ग पर अंजाम दी गई। इस प्रकरण को पहले सड़क हादसे के रूप में देखा गया। एवं घटना में मृत मोरेश्वर खोब्रागडे निवासी चंद्रशेखर वार्ड, श्रीनगर गोंदिया की दुर्घटना में मौत को लेकर गोंदिया ग्रामीण थाने में मामला दर्ज किया गया। पर जब पुलिस ने प्रथमदृष्टया जांच की, एवं सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो ये दुर्घटना नही हत्या में तब्दील दिखाई दिया। फौरन पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगळे, अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा ने हत्या का मामला दर्ज करने व आरोपियों के गिरफ्तारी के निर्देश दिए। गोंदिया ग्रामीण पुलिस ने घटना की रिपोर्ट में भादवि की धारा 302, 341, 34 दर्ज कर जांच के लिए तीन टीम बनाई। पुलिस को सूत्रों से खबर मिली कि मृतक ने कई साल पहले आरोपी युवक सुनील भोंगाड़े के पिता की हत्या की थी। एवं युवक पिछले 8 दिन से उसके पीछे था। ऐसी खबर लगते ही तथा

100 से 150 सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पुलिस को कुछ सफलता हाथ लगी। पुलिस ने सुनील भोंगाड़े एवं शाहरुख शेख को हिरासत में लिया। पूछताछ में सुनील भोंगाड़े ने बताया कि मृतक मोरेश्वर खोब्रागडे ने अपने भाई के साथ मिलकर करीब 30 साल पूर्व उसके पिता धनीराम भोंगाड़े की जमीन के मामले को लेकर मनोहर चौक में धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी थी। आरोपी सुनील भोंगाड़े ने बताया कि 1 साल से मृतक खोब्रागडे उसे किसी भी सामाजिक कार्यक्रम में दिखता था तो वो उसे देखकर हीनभावना दर्शाता था और हंसता था। यही बात उसके दिल में चुभी हुई थी और उसने इसका बदला ले लेने की ठान ली। आरोपी सुनील भोंगाड़े उम्र 44 वर्ष ने उसकी दुकान में काम करने वाले साथीदार शाहरूख हमीद शेख़ उम्र 24 वर्ष निवासी कुरहाडी को सारी बात बताकर मोरेश्वर खोब्रागडे को जान से मारने का प्लान किया। 29 नवंबर को ये दोनों मृतक का पीछा करने लगे। शाम 5 बजे गाड़ी से पिंडकेपार रोड पर जाकर अनिल कबाड़ी के गोडाऊन से लगे खुली जगह पर मृतक को गाड़ी से रोक दिया और लोहे को रॉड से उसके सिर पर 5 से 6 वार किए। साथीदार शाहरुख ने मृतक पर लात और बुक्के बरसाए तथा सर और पेट भी हमला कर फरार हो गए। इस हत्या के मामले पर दोनों आरोपियों को भादवि की धारा 302, 341, 34 के तहत गिरफ्तार कर आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक चौहान कर रहे है। इस कार्रवाई को वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पोलीस निरीक्षक दिनेश लबडे (एलसीबी) के नेतृत्व में स.पो.नि.विजय शिंदे, पोलीस उपनिरीक्षक महेश विघ्ने, वनिता सायकर, सहाय्यक फौजदार अर्जुन कावळे, पोलीस हवालदार राजेंद्र मिश्रा, भुवनलाल देशमुख, महेश मेहर इंद्रजीत बिसेन, सोमेंद्रसिंग तुरकर, रियाज शेख, तुलसिदास लुटे, नेवालाल भेलावे, चित्तरंजन कोडापे, सुजित हलमारे, संतोष केदार, अजय रहांगडाले, चालक लक्ष्मण बंजार, घनश्याम कुंभलवार, विनोद गौतम वह नक्सल सेल के आशिष वंजारी, सायबर सेल के दीक्षित दमाहे, धनंजय शेंडे, संजय मारवाडे, सोनवणे, रहीले, येरने, ने अथक परिश्रम किया व सफलता प्राप्त की। इसी तरह इस अपराध से पर्दा उठाने पोलीस निरीक्षक गोंदिया शहर चंद्रकांत सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में डीबी. पथक , पो. नि. गोंदिया ग्रामीण चंद्रकांत काळे, के मार्गदर्शन में ग्रामीण पोलिस, वह पो. नि. नक्षल सेल भुषण बुराडे व पुलिस पथक ने अथक परिश्रम किया।

शासकीय राशि का दुरुपयोग करने वाले ग्राम सेवको पर करे कार्रवाई अन्यथा करेंगे भूख हड़ताल-राजू डोनोडे

पाथरी और बाम्हनी ग्राम पंचायत के ग्राम सेवक ने किया शासकीय धन का दुरुपयोग?

बुलंद गोंदिया। (प्रतिनिधि/सालेकसा)– ग्राम पंचायत पाथरी एवं बाम्हनी में कार्यरत ग्राम सेवक कु. जब संजू खोबरागड़े पर निजी लाभ के लिए सरकारी धन का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया, तो उनके खिलाफ जातिगत दुर्व्यवहार का मामला दर्ज किया गया। अन्य ग्राम पंचायत सदस्यों ने आरोप लगाया है कि इस घोटाले में ग्राम सेवक और सरपंच के पति अशोक दमाहे और ग्राम पंचायत कर्मचारी शामिल हैं. इस मामले में तहसील कांग्रेस कमेटी ने निवेदन देकर जांच तत्काल और पारदर्शी तरीके से की जानी चाहिए और जांच पूरी होने तक संबंधित ग्राम सेवक को अस्थायी रूप से निलंबित किया जाना चाहिए। मांग की गई है कि अगर जांच में वह दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें स्थायी रूप से निलंबित कर दिया जाए. साथ ही साक्ष्य के तौर पर बैंक स्टेटमेंट भी जारी किया गया, जिसमें बताया गया है कि ग्राम पंचायत निधि का इस्तेमाल निजी कार्यों में किया गया। इस मामले को लेकर पुलिस थाना सालेकसा में बयान भी दिया गया है.

18 दिसंबर सेअनशन करेंगे

तहसील अध्यक्ष राजू डोनोड ने 15 दिसंबर तक जांच नहीं होने पर तहसील कांग्रेस कमेटी की ओर से पंचायत समिति परिसर में भूख हड़ताल करने का आह्वान किया है। यह भी बताया गया कि जांच निष्पक्ष एवं प्राथमिकता के आधार पर करायी जाये

भाजपा महिला मोर्चा ने कांग्रेस सांसद धीरज साहू का किया निषेध

बुलंद गोंदिया। गोंदिया शहर भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्षा निर्मला दिलीप मिश्रा के नेतृत्व में गत दिनों कांग्रेसी सांसद धीरज साहू के पास से मिली 300 करोड़ से अधिक बेनामी संपत्ति वह भ्रष्टाचार के खिलाफ सोमवार 11 दिसंबर की सुबह 9ः30 बजे शहर के जय स्तंभ चौक पर पहुंचकर सार्वजनिक निषेध किया गया। इस अवसर पर गोंदिया शहर महिला मोर्चा अध्यक्ष निर्मला

दिलीप मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष भावना कदम, प्रमिला सिंधरामें, नीलिमा मानिकपुरी, सुभा भारद्वाज, पूजा तिवारी, बबली चौधरी, सरोज कनोजे, विजेता बहेकार, सुधा दुबे, मौसमी भालाधारे, सुमित्रा ताई, सुनीता हेमने व अन्य भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा की पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महिला के बैग से उड़ाई राशि

गोंदिया–बैंक से लोन की रकम लेकर बस में चढ़ रही एक महिला के बैग से चोरों ने 37 हजार 800 रुपए नकद उड़ा लिए. यह घटना आमगांव बस स्टैंड परिसर में घटित हुई. दहेगांव निवासी फिर्यादी तेजस्वीनी खिलेश्वर बिसेन (35) आमगांव के सहयोग बैंक से 37 हजार 800 रु. का लोन प्लास्टिक बैग में लेकर आमगांव बस स्टैंड पर बस पर चढ़ रही थी. इसी मौके का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने प्लास्टिक बैग को काटकर उसमें रखे 37800 रु. नकद उड़ा लिए, आमगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया हैं,

16वा युवा अधिवेशन 25 से 30 दिसंबर तक गोंदिया में पूरे भारत से सैकड़ो युवा होंगे शामिल

बुलंद गोंदिया। नेशनल नेटवर्क ऑफ बुद्धिस्ट यूथ द्वारा 16 व राष्ट्रीय अधिवेशन इस वर्ष 25 से 30 दिसंबर2023 तक संथागार गोंदिया में आयोजित किया जाएगा जिसमें भारत के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ो युवा शामिल होकर डॉक्टर बाबासाहेब अंबेडकर के विचारों का अध्ययन करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस अधिवेशन में प्रतिदिन सुबह मेडिटेशन की कक्षा आयोजित की जाएगी तथा युवा मित्रता की भावना से ध्यान साधना आनापानसती ध्यान साधना का अभ्यास करेंगे। साथ ही विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर भी मार्गदर्शक इस अवसर पर मार्गदर्शन करेंगे। साथ ही विभिन्न सत्र आयोजित होंगे जिसमें ग्रुप डिस्कशन, फ्लोटिंग सेशन, वाद विवाद प्रतियोगिता ,ग्रुप ग्रुप प्रेजेंटेशन, प्ले फॉर पीस

भी आयोजित होगा। उपरोक्त अधिवेशन में संपूर्ण भारत से करीब 200 युवा इस अधिवेशन में शामिल होंगे शिविर का मुख्य उद्देश्य है प्रबुद्ध भारत की और अग्रसर व विभिन्न महापुरुषों के विचारों को साझा करना होगा।

संपादकिय...

राजनीति में नया कल्चर

भारतीय राजनीति में नया कल्चर देखने को मिल रहा है। हाल ही में चार राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में बीजेपी के 12 सांसद विधायक बन गए। उनमें से 10 ने इस्तीफा देकर विधायकी अपनाई। बाकी दो सांसद भी जल्द इस्तीफा दे सकते हैं। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभाओं के लिए निर्वाचित बीजेपी के 12 सांसदों में से 10 ने बुधवार को संसद से इस्तीफा दे दिया। बाकी दो के बारे में भी माना जा रहा है कि जल्दी ही इस्तीफा भिजवा देंगे। ये सब नवनिर्वाचित विधायकों के रूप में अपनी भूमिका जल्दी ही शुरू करेंगे। देश की राजनीति में संभवतः यह पहला ही मौका है, जब इतनी बड़ी संख्या में किसी पार्टी के सांसदों ने राष्ट्रीय राजनीति से हटकर प्रदेश राजनीति में सक्रिय भूमिका चुनी हो। बीजेपी में क्या नए चेहरे बनेंगे ष्टरू इसका पहला परिणाम तो यह हुआ है कि तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही अटकलबाजी और दिलचस्प हो गई है। मध्य प्रदेश में मौजूदा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और छत्तीसगढ़ व राजस्थान में क्रमशः पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमण सिंह और वसुंधरा राजे सिंधिया पहले से इस पद के दावेदार बताए जा रहे हैं, लेकिन प्रेक्षकों का कहना है कि बीजेपी नेतृत्व तीनों राज्यों में नए चेहरे को कमान सौंपना चाहता है। इस रस्साकशी का नतीजा क्या निकलता है यह जल्द स्पष्ट होगा, लेकिन इस्तीफों के बाद यह संभावना मजबूत हो गई है कि पार्टी नेतृत्व इन नेताओं के अनुभव का लाभ उठाने की मंशा से इन्हीं में से किसी को मौका देना चाहेगा। केंद्र में नए मंत्रियों को लेकर अटकलें ¯दूसरा नतीजा यह है कि पार्टी के अंदर और बाहर इस सवाल पर भी चर्चा शुरू हो गई है कि इस्तीफों से खाली हुई जगहों को भरने का क्या इंतजाम होगा। चूंकि छह महीने के अंदर लोकसभा चुनाव होने हैं, इसलिए उपचुनावों की कोई संभावना नहीं है। लेकिन केंद्रीय मंत्रिमंडल में जो अहम पद खाली हुए हैं, उन्हें भरने की कोई पहल हो सकती है। स्वाभाविक ही पार्टी के अंदर इस बात को लेकर बेचैनी दिखने लगी है ऐसी कोई पहल होगी या नहीं और होगी तो किन्हें मंत्रिमंडल में प्रवेश का मौका मिलेगा। बीजेपी की नई सीख¯ तात्कालिक सवालों से अलग होकर इस प्रकरण को देखा जाए तो साफ है कि मुख्यमंत्री या उपमुख्यमंत्री के रूप में भूमिका मिले या न मिले, सांसदी छोड़कर राज्यों में विधायक की भूमिका में आए ये नेता प्रदेश राजनीति को अलग ढंग से समृद्ध करेंगे। अव्वल तो केंद्रीय मंत्री और सांसद के रूप में उनका अनुभव उन्हें अपेक्षाकृत छोटे कार्यक्षेत्र में चीजों को ज्यादा बारीकी से देखने का मौका देगा, जिसका लाभ बाकी विधायकों को ही नहीं, पार्टी और सरकार को भी मिल सकता है। दूसरी बात यह कि इनकी मिसाल से यह बात बार-बार रेखांकित होगी कि राजनीति सिर्फ अपनी निजी उपलब्धियों में इजाफा करने या अपना कद बढ़ाते रहने की जद्दोजहद का नाम नहीं है।

नये चेहरों को CM की जिम्मेदारी सौंप कर BJP ने सबको चौंकाया, जानिए इसके मायने

आमतौर पर राजनीतिक दल नेताओं की वरिष्ठता और अनुभव आदि को ध्यान में रख कर मुख्यमंत्री, मंत्री और अन्य पदों पर उनकी नियुक्तियों का फैसला करते हैं। मगर भाजपा इस फार्मूले पर नहीं चलती। उसके लिए संगठन सर्वोपरि है। जो संगठन के लिए निष्ठावान कार्यकर्ता की तरह काम करता है, उसे पुरस्कृत किया जाता है।

राजस्थान में मुख्यमंत्री का नाम घोषित होने के साथ ही कयासों का सिलसिला थम गया है। अनुमान लगाए जा रहे थे कि वरिष्ठ नेताओं में से किसी को कमान सौंपी जाएगी, मगर हुआ इसके ठीक उलट। पहली बार विधायक चुने गए भजन लाल शर्मा वहां के मुख्यमंत्री होंगे। ऐसे ही चौंकाने वाले निर्णय मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी लिए गए। मध्यप्रदेश में कई नामों को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं।

भाजपा की विजय के पीछे शिवराज सिंह चौहान के कामकाज और योजनाओं का बड़ा हाथ माना जा रहा था। केंद्र से मंत्री पद छोड़ कर गए नेताओं में से किसी को पुरस्कृत करने की भी चर्चा चल रही थी। मगर वहां मोहन यादव को सूबे की जिम्मेदारी सौंप कर भाजपा ने सबको चौंका दिया। छत्तीसगढ़ में हालांकि विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल माना जा रहा था, इसलिए उनके चुनाव पर लोगों को उतनी हैरानी नहीं हुई।

मगर राजस्थान और मध्यप्रदेश की कमान बिल्कुल अल्पज्ञात नेताओं को सौंप कर भाजपा नेतृत्व ने लोगों को विस्मित कर दिया। हालांकि इससे पहले भी गुजरात, उत्तराखंड, हरियाणा आदि राज्यों में भाजपा इसी तरह के साहसिक और चौंकाने वाले फैसले कर चुकी है। इसकी कुछ वजहें स्पष्ट हैं।

आमतौर पर राजनीतिक दल नेताओं की वरिष्ठता और अनुभव आदि को ध्यान में रख कर मुख्यमंत्री, मंत्री और अन्य पदों पर उनकी नियुक्तियों का फैसला करते हैं। मगर भाजपा इस फार्मूले पर नहीं चलती। उसके लिए संगठन सर्वोपरि है। जो संगठन के लिए निष्ठावान कार्यकर्ता की तरह काम करता है, उसे पुरस्कृत किया जाता है। संगठन में खेमेबंदी करने वालों को प्रायः किनारे कर दिया जाता है। इसी का दंड शायद शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे को भुगतना पड़ा है। राजस्थान में वसुंधरा राजे ने मान लिया था कि उनकी अगुआई के बिना भाजपा का चुनाव जीतना मुश्किल होगा। फिर केंद्रीय नेतृत्व के साथ उनके रिश्ते भी मधुर नहीं थे। मगर जब राजस्थान में भाजपा चुनाव जीत गई, तो उन्होंने अपने खेमे के नेताओं की लामबंदी शुरू कर दी और इस तरह दबाव बनाने का प्रयास किया कि मुख्यमंत्री का पद उन्हें ही मिलना चाहिए।

मगर भाजपा ने भजन लाल शर्मा को आगे करके स्पष्ट संदेश दे दिया है कि खेमेबंदी करने वालों की संगठन में कोई अहमियत नहीं है। मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के बारे में भी यही माना जा रहा था कि वहां उनका कोई विकल्प नहीं हो सकता। छत्तीसगढ़ में रमन सिंह अपने पुराने कार्यकाल के दागों से मुक्त नहीं थे, इसलिए उनकी दावेदारी वहां थी ही नहीं।भाजपा ने इन तीनों राज्यों में बिना किसी मुख्यमंत्री के चेहरे के चुनाव लड़ा था। मध्यप्रदेश में जरूर उसकी सरकार थी, मगर शिवराज सिंह चौहान को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं किया था। इस तरह पहले से तय था कि वहां नेतृत्व परिवर्तन होगा। नए चेहरे को आगे करने का फायदा यह भी मिलता है कि पहले के नेतृत्व के साथ जो कुछ अनियमितताएं, खराब नीतियां और फैसले जुड़े होते हैं, वे हाशिये पर चली जाती हैं।

लोग नए चेहरे से नई उम्मीदें पालना शुरू कर देते हैं। इस तरह पुराने दाग-धब्बे धुंधले पड़ जाते हैं। उत्तराखंड और गुजरात में नेतृत्व परिवर्तन कर भाजपा ने इसका लाभ उठाया भी है। फिर सबसे बड़ी बात कि इस तरह भाजपा दूसरे राजनीतिक दलों से खुद को अलग खड़ी कर पाती है कि उसमें किसी भी नेता को नेतृत्व सौंपा जा सकता है, वरिष्ठता, लोकप्रियता या पार्टी नेताओं में पकड़ कोई पैमाना नहीं।

बच सकती है जिंदगी

भारत में कार्डियो वैस्कलर डिजीज (Cardiovascular Disease - CVD) से होने वाली मौतों की संख्या बढ़ती जा रही है। एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट भी इसकी पुष्टि करती है।

अचानक मौत के बढ़ते मामले

कार्डियो वैस्कलर डिजीज यानी दिल की बीमारियों से जुड़ी मौतें एक बड़ी चुनौती बनती जा रही हैं। WHO के मुताबिक दुनिया भर में इनसे होने वाली मौतों का कम से कम पांचवां हिस्सा भारत में होता है। कई हालिया स्टडीज और आंकड़े हैं, जो हालात की ज्यादा सही तस्वीर पेश करते हैं।

मरने वाले बढ़े

ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी की ताजा रिपोर्ट बताती है कि भारत में CVD से होने वाली मौतों की दर प्रति एक लाख लोगों पर 272 है। ध्यान रहे, इन मौतों का वैश्विक औसत मात्र 235 है। पिछले सप्ताह जारी हुए नैशनल क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़े भी इस स्थिति की पुष्टि करते हैं। इसके मुताबिक 2021 में देश में ऐसी मौतों की संख्या 28,413 थी, जो 2022 में बढ़कर 32,457 हो गई। यही नहीं, अचानक होने वाली मौतों की संख्या देखें तो उनमें भी भारी बढ़ोतरी हुई है। 2021 में यह 50,734 थी, जो 2022 में 56,450 हो गई।

टल सकती हैं ये मौतें

अच्छी बात यह है कि थोड़ी कोशिशों से इनमें से ज्यादातर मौतें टाली जा सकती हैं। अगर सही समय पर मरीज को कार्डियो

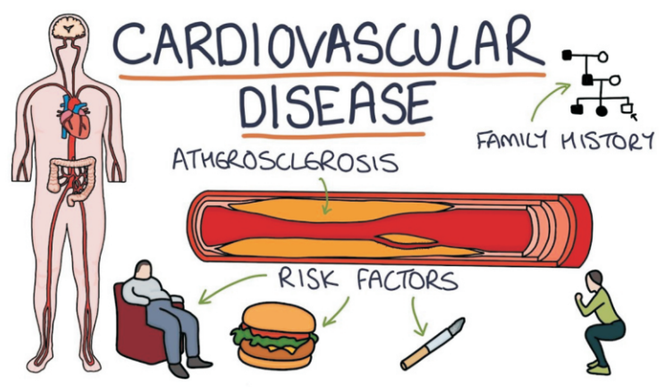

पल्मनरी रिससिटेशन जैसी मेडिकल सहायता उपलब्ध हो जाए तो उसकी जान बच सकती है। CPR जान बचाने वाली ऐसी तकनीक है, जो किसी व्यक्ति पर तब अप्लाई की जाती है जब उसकी सांस या दिल की धड़कन बंद हो जाए। यह प्रक्रिया आसान है और आसपास मौजूद कोई भी ट्रेंड व्यक्ति मरीज को यह इलाज दे सकता है।

ट्रेंड लोगों की कमी

CPR के लिए न तो किसी उपकरण की जरूरत होती है और न ही कहीं भर्ती वगैरह करने की। बावजूद इसके भारत में इसके लिए बहुत कम लोगों को ट्रेनिंग मिली हुई है। नैशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशंस इन मेडिकल स्टडीज (NBEMS) ने भी CPR पर राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान शुरू किया है।

AED की भी जरूरत

हालात की गंभीरता को देखते हुए मौजूदा प्रयास नाकाफी हैं। जैसा कि हाल की एक लांसेट कमिशन स्टडी बताती है- भारत में CPR के साथ ही ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डीफाइब्रिलेटर्स (AED) की भी जरूरत है। AED एक ऐसा पोर्टेबल डिवाइस है, जो सांसों के असामान्य होने पर दिल को इलेक्ट्रिक शॉक देकर उसे सामान्य करता है। ये डिवाइस सार्वजनिक स्थानों पर लगाकर और लोगों को इसके इस्तेमाल की बुनियादी ट्रेनिंग देकर हालात को काफी बेहतर किया जा सकता है। जानकारों के मुताबिक CPR और AED की सुविधाएं उपलब्ध करा दी जाएं तो मरीजों की जान बचने की संभावना दोगुना और तीन गुना तक बढ़ सकती है।

डॉ.नोव्हिल ब्राम्हणकर का स्तन कैंसर सर्जरी में शतक, गर्भाशय कैंसर के 50 सफल ऑपरेशन जिले में ब्राम्हणकर हॉस्पिटल का कीर्तिमान

बुलंद गोंदिया। कैंसर आज भी एक गंभीर जानलेवा बीमारी बनी हुई है लेकिन यदि समय रहते इसका उपचार सही तरीके से किया जाए तो मरीज की जान बचाई जा सकती है। इसी श्रृंखला में गोंदिया के ब्राम्हणकर हॉस्पिटल के संचालक डॉक्टर डॉ. नोव्हिल ब्राम्हणकर द्वारा गत तीन वर्षों में महिलाओं में बड़े प्रमाण में पाए जाने वाले स्तन कैंसर की शल्यक्रिया सफलतापूर्वक किया, साथ ही 50 से अधिक गर्भाशय कैंसर के ऑपरेशन कर मरीजों को इस जानलेवा बीमारी से काफी हद तक निजात दिलाकर उनके जीवन में जीवन की रोशनी की नई किरण प्रकाशित की है।

गौरतलब है कि संपूर्ण विश्व में कैंसर एक जानलेवा बीमारी के रूप में जानी जाती है जिसमें महिलाओं में स्तन कैंसर वह गर्भाशय कैंसर का प्रमाण बड़े प्रमाण पर सामने आ रहे हैं। जिनका प्रथम चरण में उपचार वह शल्य क्रिया कर मरीज के जीवन पर मौत के संकट को काफी हद तक काम किया जा सकता है। गोंदिया में इसके पूर्व कैंसर की सर्जरी एक बहुत गंभीर विषय था लेकिन गत तीन से चार वर्षो से डॉक्टर नोव्हिल ब्राम्हणकर द्वारा ब्राम्हणकर अस्पताल की शुरुआत कर जिले के कैंसर मरीजों का सफलतापूर्वक ऑपरेशन कर उनके जीवन में एक नई रोशनी लाने का कार्य निरंतर कर रहे हैं। गत 3 वर्षों में गोंदिया, भंडारा, गढ़चिरौली जिले के साथ-साथ पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के राज्यों से भी आने वाली महिला मरीजों के स्तन कैंसर वह गर्भाशय कैंसर का सफलतापूर्वक ऑपरेशन कर रहे हैं। जिसमें अब तक उन्होंने 100 से अधिक स्तन कैंसर की सफल शल्यक्रिया करने के साथ ही 50 के करीब गर्भाशय कैंसर का ऑपरेशन किया है। जिससे अब मरीजों को बड़े शहरों की ओर जाने तथा अधिक खर्च वहन करने की समस्या से निजात भी मिल गई है। क्योंकिब्राम्हणकर अस्पताल में कैंसर की यह शल्यक्रिया शासकीय योजनाएं- प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना व राज्य की महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। कैंसर से बचाव के लिए जन जागृति महत्वपूर्ण कैंसर की बीमारी प्राण घातक है लेकिन अगर इसका समय रहते जांच में पता लग जाए तो उपचार के द्वारा इसे काफी हद तक ठीक किया जा सकता है। महिलाओं में स्तन कैंसर वह गर्भाशय कैंसर के मामलेबड़े प्रमाण सामने आ रहे हैं जिसका मुख्य कारण यह है कि महिलाओं में जन जागृति ना होना भारतीय परिवेश में समय रहते जांच ना करना यदि प्राथमिक चरण में जांच हो जाए तो इससे बचाव किया जा सकता है।

- डॉ.नोव्हिल ब्राम्हणकर गोंदिया

कैसे जाने ब्रेस्ट कैंसर के लक्षण

स्तन में गांठ या लंप होना ये ब्रेस्ट कैंसर के आम लक्षणों में से एक है. डॉक्टर सलाह देते हैं कि अगर ब्रेस्ट में किसी प्रकार की गांठ महसूस होती है तो तुरंत मेडिकल जांच करवानी चाहिए.

अगर ब्रेस्ट में किसी प्रकार की सूजन दिखाई देती है तो उसके प्रति लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए. ये सूजन ब्रेस्ट के एक हिस्से या पूरे ब्रेस्ट में हो तो सचेत हो जाना चाहिए.

ब्रेस्ट की त्वचा में किसी प्रकार का परिवर्तन दिखाई दे मसलन वहां जलन, लाल पड़ना या त्वचा का सख़्त होना, त्वचा की बनावट में बदलाव दिखना. ऐसा महसूस करना जैसे त्वचा गीली हो. झअगर निप्पल से रिसाव होता पदार्थ निकलता दिखे, अंदर की तरफ़ धंसता दिखे या दर्द हो रहा हो तो डॉक्टर की सलाह ली जानी चाहिए। डॉक्टर कहते हैं कि कई बार युवा महिलाओं में कैंसर के ये लक्षण पहचानने में चुनौतियां भी पेश आती हैं जैसे लक्षण ठीक से महसूस नहीं हो पाते, छोटे ट्यूमर का पता नहीं चल पाता और कई बार मेमोग्राफी में भी पता नहीं चल पाता. लेकिन अगर किसी तरह के बदलाव या ऊपर दिए गए कोई भी लक्षण दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। इस उम्र में स्क्रीनिंग की बात से डॉक्टर नोविल इंकार करते हैं लेकिन वे ये ज़रूर कहते हैं कि इसके बारे में जागरूकता जितनी फैलाई जाए उतनी कम है. अगर किसी भी प्रकार के लक्षण दिखें तो डॉक्टर को दिखाएं और अगर जिनके घर में कैंसर की हिस्ट्री रही हो उन मामलों में हम 25 साल की उम्र के बाद स्क्रीनिंग और जेनेटिक टेस्टिंग की सलाह भी देते हैं।

दुनिया भर की महिलाओं में क्यों बढ़ रहा है स्तन कैंसर

स्तन कैंसर दुनिया भर में महिलाओं की मौत का एक प्रमुख कारण है। इस बीमारी के आंकड़ों में लगातार इज़ाफ़ा हो रहा है, जो चिंता की बात है। चिकित्सक मानते हैं कि मृत्यु दर को कम करने के लिए महिलाओं में कैंसर के लक्षणों के प्रति जागरूकता ज़रूरी है। चिकित्सक मानते हैं कि बदलती जीवन-शैली और तनाव का स्तर काफी हद तक स्तन कैंसर के लिए ज़िम्मेदार हैं। वसायुक्त उत्पादों का अधिक सेवन, कॅरियर को प्राथमिकता देने के कारण लड़कियों के विवाह और पहले बच्चे को जन्म देने की औसत आयु 25 से 30 वर्ष होने तथा बच्चे को स्तनपान न कराने के कारण भारत में हर साल स्तन कैंसर के आंकड़े बढ़ते जा रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार स्तन कैंसर का पारिवारिक इतिहास, विशेष रूप से माँ या बहन जैसे करीबी रिश्तेदारों में इसका होना आपके जोखिम को बढ़ा सकता है। इसके अलावा मोटापा, कम उम्र में पीरियड्स शुरू होना, मेनोपॉज में देरी, बिना डॉक्टर की सलाह के हार्मोन्स का सेवन, धूम्रपान और शराब का सेवन करने वाली महिलाओं में इसका ख़तरा काफी हद तक बढ़ जाता है। स्तन में कुछ कोशिकाओं के असामान्य रूप से बढ़ने के कारण स्तन कैंसर होता है। ये कैंसर कोशिकाएँ, स्वस्थ कोशिकाओं की तुलना में अधिक तेज़ी से विभाजित होती हैं और जमा होने लगती हैं, जिसके कारण गांठ बन जाती है। यह कोशिकाएँ स्तन के माध्यम से लिम्फ नोड्स या शरीर के अन्य भागों में भी फैल सकती हैं। स्तन में गांठ को आसानी से महसूस किया जा सकता है। स्तन कैंसर के लक्षणों में स्तनों में गांठ, भारीपन और दर्द महसूस होता है। सबसे बड़ी पहचान दोनों स्तनों के आकार में फर्क दिखने लगता है। कई बार महिलाएँ स्तन कैंसर के लक्षणों का पता न होने के कारण इसे नज़र - अंदाज़ कर देती हैं या फिर इस बात को स्वीकार नहीं करना चाहतीं कि उन्हें कैंसर है, इसलिए महिलाओं को यह सलाह दी जाती है कि खुद से अपनी जाँच करना सीखें या नियमित रूप से अपनी जाँच कराने जाएँ। इससे बीमारी के शुरुआती चरण में ही पता करने में मदद मिलेगी, जिससे इलाज करना आसान हो जाएगा। जिन सामान्य लक्षणों की जाँच करनी है, उनमें नहाते समय साबुन लगे हाथों से स्तन जाँचना सबसे सही तरीका है। नहाने से पहले शीशे में अच्छी तरह से देखें कि कहीं कोई लंप, त्वचा में बदलाव या किसी तरह का डिस्चार्ज तो नहीं है। निप्पल बाहर की जगह स्तन के अंदर तो नहीं धंस गया है, निप्पल पर दाद या रैशेज तो नहीं हो रहे हैं। इसके साथ ही महिलाएं अपनी बगलों की जाँच करना न भूलें। चिकित्सकों के मुताबिक, स्तन कैंसर की पहचान मैमोग्राफी द्वारा संभव है, जिसमें छोटी से छोटी गांठ का पता लगाया जा सकता है। 45 से 65 साल की प्रत्येक महिला को हर दो साल में एक बार मैमोग्राफी ज़रूर करवानी चाहिए। अपने वजन पर नियंत्रण के साथ महिलाओं को हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी से भी बचना चाहिए। स्तन कैंसर के जोखिम को कम करने के लिए महिलाओं को खट्टे फल, सब्जियां और साबुत अनाज से भरपूर संतुलित आहार को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। शराब और धूम्रपान के प्रयोग से बचना चाहिए। इसके साथ ही रोजमर्रा के जीवन में प्रतिदिन सवेरे आधे घंटे का व्यायाम, सुबह-शाम की सैर को भी प्राथमिकता देनी चाहिए।

आपदाग्रस्त किसानो के नुकसान का नियमानुसार करें पंचनामा -पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल

बुलंद गोंदिया। गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में गत दिनों हुई बेमौसमी बारीश से धान एवंम अन्य फसलों को हुए नुकसान की जानकारी लेने एवंम संकट के समय आपदाग्रस्त किसानों से भेंट कर सांत्वना देने हेतु पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने ग्राम टेमनी, चुलोद, आसोली, नवरगांवकला, कामठा, झिलमिली, छिपीया, कटंगटोला, परसवाडा, बिर्सी (का.), खातिया, अर्जुनी आदि ग्रामों का दौरा कर, सीधे खेतों में पहुँचकर फसलों को हुए नुकसान का जायजा लिया एवंम स्थानीय किसानों, तहसीलदार एवंम संबंधित पटवारीयों-कृषी अधिकारीयों से चर्चा कर नुकसान के आकलन एवंम पंचनामा किये जाने की वर्तमान स्थिती की जानकारी ली। चर्चा में पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने आपदाग्रस्त किसानों को कहा कि, राज्य के नेता एवंम उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस से उनकी प्रत्यक्ष चर्चा हुई है और उपमुख्यमंत्री को उन्होंने बेमौसमी बारिश से क्षेत्र की विकट परिस्थितीयों से अवगत कराया है। भाजपा सरकार हर आपदाग्रस्त किसान के साथ खड़ी है और अधिकाधिक आर्थिक मदत शासन से मंजुर कराने के लिये वे प्रयासरत है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि, उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे एवंम उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को इस वर्ष धान पर 25 हजार रुपये प्रति हेक्टर बोनस दिये जाने की मांग की है और निश्चित रूप से इस संदर्भ में राज्य सरकार जल्द ही सकारात्मक घोषणा करेंगी। उपस्थित तहसीलदार एवंम संबंधित पटवारीयों-कृषी अधिकारीयों को पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि, नुकसान के पंचनामे में किसी प्रकार की लापरवाही या स्थानीय नेताओं के भाई-भतीजा वाद को शय न देते हुए, हर आपदाग्रस्त किसान का नुकसान का पंचनामा नियमानुसार करें एवंम ग्रामवार आपदाग्रस्त किसानों की सुची का चावडी वाचन करें, जिससे किसी किसान के छुट जाने की स्थिती में उसका नाम आपदाग्रस्तों की यादी में सम्मिलित हो जाये। इस अवसर पर पुर्व जिप अध्यक्ष नेतराम कटरे, जिप सदस्य रितेश मलघाम, भाऊलाल तरोणे, जिप सदस्य विजय उके, लक्ष्मीताई तरोणे, गुणीलाल देशभ्रतार, पस सदस्य विनोद बिसेन, पुरुषोत्तम उईके, योगराज उपराडे, स्नेहाताई गौतम, भुवनसिंह नागपुरे, सुनिताताई दिहारी, कलाबाई भेंडारकर, निखील चिखलोंडे, अजाबराव रिनायत, तोमेश्वरीबाई कटरे, टिकाराम भाजीपाले, सावलराम महारवाडे, केशव तावाडे, दिनेश अग्रवाल, अर्जुन नागपुरे, ग्राम अर्जुनी के सरपंच अंकेश हरिणखेडे, तिलक पटले, ग्राम आसोली के सरपंच बंटी भेलावे, संतोष हनवते, मनोज भाजीपाले, सत्यम बहेकार, धनजंय दोनोडे, जाकीर खान, जमील पठान, सहित स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता एवंम किसान बंधु उपस्थित थे।

विधायक विजय राहंगडाले के माध्यम से शीतकालीन सत्र में सड़कों और पुलों के निर्माण के लिए 47.88 करोड़ की राशि मंजूर

बुलंद गोंदिया। तिरोड़ा- तिरोड़ा गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक लगातार विधानसभा क्षेत्र में सिंचाई विकास के साथ-साथ सड़कों के विकास के लिए सरकार से अनुरोध कर रहे हैं और विभिन्न तरीकों से सड़कों के लिए राशि ला रहे हैं। निर्माण के लिए कुल 47.88 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। अर्जुनी खैरलांजी चंदोरी बघोली मार्ग पर छोटे पुल के निर्माण के लिए 3.09 करोड़ रुपये, बोदा सोनेगांव डब्बेटोलामार्ग के लिए 1.00 करोड़ रुपये, गोंडमोहाड़ी-बोदा-कारुटोला-झाडूटोला मार्ग के लिए 1.20 करोड़ रुपये।धापेवाड़ा -अत्रि-बोदा-सेजगांव मार्ग 1.00 करोड़, ठाणेगांव-डोंगरगांव-सुकड़ी- बेरडीपार वडेगांव मार्ग 1.50 करोड़, सारंडी-खोडगांव-बोपेसर-लाखेगांव-मेंढा मार्ग 1.75 करोड़, गोंडमोहाड़ी-साईटोला-महालगांव मार्ग 2.50 करोड़, बेरडीपार-बीबीटोला मार्ग 1.75 करोड़, राष्ट्रीय राजमार्ग 753 से चुरडी-चिखली-भिवापुर-इंदौरा मार्ग 15.00 करोड़, बिरोली-सालेबर्डी-उमरी-बिहिरगांव मार्ग 72.00 लाख, बेलाटी -धादरी - सारंडी-खोपड़ा मार्ग 1.00 करोड़, टांडा-दवड़ीपार-मोहगांव बु.-तुमखेड़ा मार्ग 5.00 करोड़, किंडगीपार-पांगडी-नीलगोंदी सड़क 2.60 करोड़, पुरगांव-सटवा- सड़क 1.00 करोड़, बोटे-सोनी सड़क 1.00 करोड़, शहारवानी-धानुटोला सड़क 1.00 करोड़, रामाटोला-मलपुरी-कुहाडी-मेगाटोला-पाथरी सड़क 60.00 लाख और आदिवासी क्षेत्र में सोनेखरी नवेज़री नांदलपार कोडेलोहारा सर्रा सड़क को मजबूत करने के लिए 3.30 कुल 47.88 करोड़ मंजूर हुई। इससे विधानसभा क्षेत्र में सड़कों की गुणवत्ता में होंगा ।

पूर्व मंत्री डॉ. परिणय फुके एवं ओबीसी कल्याण मंत्री अतुल सावे के नेतृत्व में हुई राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ और अन्य संगठनों की बैठक में अहम फैसले 52 छात्रावास, सावित्रीबाई फुले आधार योजना सहित अन्य मांगों को स्वीकृति

बुलंद गोंदिया। (नागपुर)- ओबीसी समुदाय की मांगों को लेकर 29 सितंबर 23 को सरकार द्वारा बुलाई गई बैठक में राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ ने सरकार को 22 मांगों का प्रस्ताव दिया था। उस बैठक में चर्चा के बाद 13 दिसंबर 23 को ओबीसी बहुजन कल्याण मंत्रालय के मंत्री अतुल सावे और पूर्व मंत्री डॉ. परिणय फुके के नेतृत्व में समाज कल्याण मंत्रालय के नागपुर कार्यालय में राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ और अन्य संगठनों की बैठक में ओबीसी के शेष मुद्दों और शेष आठ मांगों पर चर्चा कर उन्हें मंजूरी दी गई तथा इसका शासन निर्णय जारी किया गया।

इस निर्णय के तहत 52 ओबीसी छात्रावासों को 30 जनवरी तक शुरू कर दिए जाने एवं बाकी छात्रों के लिए सावित्रीबाई फुले आधार योजना लागू की गई है. इसमें शहरी विभाग के लिए 60,000 रुपये, उपशहरी विभाग के लिए 51,000 रुपये और नागरी विभाग के लिए 41,000 रुपये और तहसील विभाग के लिए 38,000 रुपये मंजूर किए गए हैं। इसी के साथ बीसीए, एमसीए, पीजीडीसीसीए पाठ्यक्रमों के लिए भी छात्रवृत्ति को मंजूरी दी गई। साथ ही किसी भी ओबीसी योजना के लिए क्रीमीलेयर की शर्त 8 लाख रुपये है. तथा नॉन-क्रीमीलेयर की शर्त जिसमें से केवल नॉन-क्रीमी लेयर की शर्त ही स्वीकार करने पर निर्णय लिया गया। बैठक में सचिव स्तर पर कहा गया कि जीएडी के माध्यम से ओबीसी वर्ग में सरकारी सेवा के अधिकारी-कर्मचारी के रिक्त पदों की समीक्षा की जाएगी और उनकी जानकारी दी जाएगी, साथ ही ओबीसी के पदों की भी समीक्षा की जाएगी। महाज्योति को 300 करोड़ की अतिरिक्त राशि स्वीकृत की गई, सभी संस्थानों के लिए स्वीकृत कुल पूरक राशि 7000 करोड़ थी। साथ ही महाज्योति के अलग भवन के लिए एनआइटी को टेंडर प्रस्ताव दिया गया. इसके अलावा ओबीसी के अन्य मुद्दों पर भी काफी सकारात्मक चर्चा हुई. इस बैठक में राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ के अध्यक्ष डॉ. बबनराव तायवाड़े, ओबीसी सचिव श्रीमती वनिता वेद सिंहल, महाज्योति के व्यवस्थापकीय संचालक, महासचिव सचिन राजुरकर, उपाध्यक्ष शेषराव येलेकर, सहसचिव शरद वानखेड़े, युवा अध्यक्ष सुभाष घाटे, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश चोखारे, रामदास कामडी, शहर अध्यक्ष परमेश्वर राऊत, रवीन्द्र टोंगे, सातपुते, रुषभ राऊत एवं अधिकारी वर्ग उपस्थित थे।

5वा राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2023 के लिए 15 दिसंबर तक आवेदन दे

बुलंद गोंदिया। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के माध्यम से वर्ष 2018 से राष्ट्रीय जल पुरस्कार दिया जा रहा है। इस वर्ष जल संरक्षण एवं प्रबंधन से संबंधित नवीन एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिला स्तर से लेकर ग्राम पंचायत स्तर एवं व्यक्तिगत स्तर के विभिन्न संगठनों को नामांकन भरने के लिए आमंत्रित किया गया है। नामांकन मुख्य रूप से सर्वोत्तम राज्य, सर्वोत्तम जिला, सर्वोत्तम ग्राम पंचायत, सर्वोत्तम स्कूल और कॉलेज, सर्वोत्तम संस्थान (स्कूल और कॉलेजों को छोड़कर), सर्वोत्तम सामुदायिक संगठन, सर्वोत्तम जल उपयोग संगठन और सर्वोत्तम कामकाजी व्यक्तियों के माध्यम से जल संरक्षण और प्रबंधन से संबंधित अभिनव कार्यों के लिए हैं। पोर्टल (www.awards.gov.in) पर 15 दिसंबर तकजमा करे ।पिछले एक वर्ष के दौरान जल संरक्षण एवं प्रबंधन से संबंधित कार्य करने वाले संगठन एवं व्यक्ति नामांकन भरने के पात्र होंगे। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पाटिल ने गोंदिया जिले में जल संरक्षण और प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्राम पंचायत, स्कूलों, कॉलेजों, सामाजिक संगठनों या व्यक्तियों से इस पुरस्कार के लिए नामांकन जमा करने की अपील की है। जल जीवन मिशन के परियोजना निदेशक आनंदराव पिंगले ने अपील की है कि जिले से जिन संस्थाओं/व्यक्तियों ने नामांकन भरा है वे अपनी संक्षिप्त जानकारी 18 दिसम्बर 2023 तक जिला जल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय iecwssogondia@gmail.com पर जमा करें।

प्रोग्रेसिव्ह इंग्लिश स्कूल के विद्यार्थीयों का रोपस्कीपींग स्पर्धा में राज्यस्तर पर चयन

बुलंद गोंदिया। श्रीमती उमादेवी बहुउद्देशिय शिक्षण संस्था, गोंदिया द्वारा संचालित तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड से संलग्नित प्रोग्रेसिव्ह इंग्लिश स्कूल के विद्यार्थीयों का जिल्हा क्रिडा अधिकारी कार्यालय द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय रोपस्कीपींग स्पर्धा में चयन किया गया। जिसमें मा. कुनाल टेकाम (कक्षा 9वी), मा. ईश्वर टेकाम (कक्षा 9वी), मा. गौरव वरखडे (कक्षा 11वी), मा. विनायक साहरे (कक्षा 11वी), कु. लिना वट्टी (कक्षा 9वी), कु. नितुशा टेकाम (कक्षा 9वी), कु. नेहा भोयर (कक्षा 12वी), कु. दिपाली ईडपाचे (कक्षा 12वी), कु. साक्षी ईश्वर (कक्षा 12वी) ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए इन विद्यार्थियों का राज्यस्तर पर अपना स्थान सुनिश्चित किया । संस्थाध्यक्ष डॉ. पंकज कटकवार, संस्थासचिव डॉ. निरज कटकवार, प्रचार्य ओ.टी. रहांगडाले, प्रचार्या मिनाक्षी महापात्र, श्रीमती रुपकला रहांगडाले, विकास पटले, कु. लिना रहांगडाले, कू. सपना बिरखेडे, कु, रानी खान किडा शिक्षिका फलेंद्र मेंढे, कु. हेमा नायडु, सोहेल तिगाला, डॉली गजभीये, राहुल रामटेके, दिव्यांशु जायस्वाल इत्यादी शिक्षक वृंद ने चयनित सभी विद्यार्थीयों का हार्दिक अभिनंदन किया ।

किसानों ने जिलाधीश को सौंपा ज्ञापन रोटेशन पद्धति से रबी को पानी दें

गोंदिया-आमगांव तहसील के ग्राम माल्ही व मोहनटोला के किसान बड़े पैमाने पर रबी फसल का उत्पादन लेते हैं. जिससे दोनों ही गांव के किसानों को रबी मौसम के लिए रोटेशन के अनुसार पानी देने की मांग भाजपा किसान सेल के आमगांव शहर अध्यक्ष प्रशांत कोरे के नेतृत्व में जिलाधीश चिन्मय गोतमारे को ज्ञापन सौंपकर की है. ज्ञापन में बताया है कि बेमौसम बारिश की वजह से नुकसानग्रस्त किसानों को 100 प्रश नुकसान भरपाई दी जाए, इसी तरह जिला परिषद प्राथमिक शाला माल्ही में लगभग 50 किसानों के बच्चे शिक्षा का पाठ पढ़ रहे हैं, किंतु शाला में अब तक शैचालय का निर्माण नहीं किया गया है. जिसकी वजह से विद्यार्थियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है. शाला में सुरक्षा दीवार नहीं होने से विद्यार्थियों की सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह लग रहे हैं. क्षेत्र में पेयजल सुविधा नहीं बताया गया कि क्षेत्र में पेयजल की सुविधा नहीं है, शाला में गेट नहीं है व इमारत भी जर्जर है. जिससे विद्यार्थियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. इन सभी समस्याओं को हल करने को लेकर जिलाधीश चिन्मय गोतमारे को ज्ञापन सौंपा गया है. प्रतिनिधि मंडल में लोगेश हत्तीमारे, दिनेश शेंडे, गजानन शेंडे, घनश्याम मेंढे, टीकाराम बिसेन, लटारू बर्वे, संतोष पाथोड़े, जगन्नाथ मेंढे आदि का समावेश था.

खड़ी एवं कटी व धान के पुंजने साथ ही अन्य फसलो को हुए नुकसान का सर्वे कर तत्काल पंचनामा प्रारंभ करे-विधायक विनोद अग्रवाल

बुलंद गोंदिया। .28 नवंबर से लगातार बेमौसमी वर्षा के चलते गोंदिया तहसील के साथ ही संपूर्ण गोंदिया जिले में बड़े पैमाने पर धानकी फसल और अन्य फसलो का नुकसान हुआ। जैसे की चना गेहू, उड़द, जवस जैसे भी फसलो को नुकसान पहुंचा है. जिसपर विधायक विनोद अग्रवाल ने तत्काल 29 नवंबर को राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस से मुंबई में भेट कर गोंदिया जिले में हुए किसानो के नुकसान के बारे में अवगत करवाया था और नुकसान हुई फसल का तुरंत पंचनामा कर तत्काल मदद करने करने हेतु निवेदन दिया था। तदनुसार, उसी दिन आयोजित कैबिनेट बैठक में निर्णय लेते हुए,मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने प्रशासन को तुरंत पंचनामा करने के निर्देश दिए थे. इस संबंध में विधायक विनोद अग्रवाल ने तहसीलदार गोंदिया को पत्र लिखकर तत्काल पंचनामा करने के निर्देश दिये और तहसीलदार ने आदेश निकालकर ग्राम सेवक, पटवारी , कृषि सेवक को गांव आवंटित कर तत्काल पंचनामा करने का आदेश दिए गए फिर भी कई गांवों के ग्राम सेवकों ने आज भी संबंधित गांवों में नहीं पहुंचने की शिकायत मिली। जिस पर विधायक विनोद अग्रवाल ने निर्देश दिया गया कि गांव का कोई भी किसान सहायता से वंचित न रहे इसका ध्यान रखें तथा वैकल्पिक उपाय करें. जिन स्थानों पर संबंधित अधिकारी नहीं पहुंचे हैं वहां व्यवस्थाएं करने तथा तत्काल पंचनामा करने के निर्देश दिए। साथ ही विधायक विनोद अग्रवाल ने तहसीलदार, कृषि अधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं पंचायत समिति के सभापति मुनेश रहांगडाले के साथ किसानों के साथ खेत में जाकर बड़ी मात्रा में, कटे धान एवं खड़ी धान की फसल साथ ही धान के पुंजने और अन्य फसल का निरीक्षण किया। विधायक विनोद अग्रवाल ने नुकसान की जानकारी प्रशासन को दी और कटे एवं खड़े धान के पंचनामे कर अधिक से अधिक नुक़सान भरपाई किसानों को दिलाने हेतु प्रयत्न करने के निर्देश दिये है. साथ में कोई भी किसान मदत से वंचित ना रहे इसकी भी खबरदारी लेने को विधायक विनोद अग्रवाल द्वारा कहा गया है. अगर किसी किसान का पंचनामा नहीं होनेपर मुझ से संपर्क करे ऐसा आवाहन विधायक विनोद अग्रवाल द्वारा किया गया है।

जिले सहित प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतो का 18 से 20 दिसंबर तक काम बंद आंदोलन

» सरपंच, ग्राम सेवक सहित सभी कर्मचारी होंगे शामिल

बुलंद गोंदिया। ग्राम से संबंधित सभी इकाइयों में हो रहे अन्याय को रोकने के लिए ग्राम पंचायत के सरपंच, ग्राम सेवक, ग्राम रोजगार सेवक, ग्राम पंचायत कर्मचारी, ग्राम पंचायत के कंप्यूटर ऑपरेटरों ने सरकार को 18 से 20 दिसंबर तक तीन दिनों तक काम बंद करने की चेतावनी दी है। जिले और राज्य में पंचायत. इससे ग्रामीण क्षेत्र के सभी कामकाज ठप रहेंगे। ग्राम पंचायत के वित्तीय प्रदर्शन को सक्षम करने के लिए ग्राम पंचायत सदस्य निधि को विधायक निधि की तरह बनाया जाना चाहिए, ग्राम पंचायत सदस्य को मानदेय भत्ता दिया जाना चाहिए, सरपंच उपसरपंच के मानदेय को बकाया राशि में भुगतान किया जाना चाहिए, पर्याप्त वृद्धि की जानी चाहिए, 100 प्रतिशत मानदेय का भुगतान सरकार द्वारा किया जाना चाहिए, बीमा कवर विधान परिषद चुनाव में ग्रामपंचायत सदस्यों को मतदान का अधिकार महाराष्ट्र के छह संभागों के छह सरपंच विधायकों को शिक्षक स्नातक की तरह सरपंच विधायक ,मुंबई में सरपंच भवन होना चाहिए, छोटी ग्राम पंचायतों, ग्राम सेवक और ग्राम विकास के लिए वित्त ङ्खश्वन्न फंड कम से कम दस लाख रुपये प्रति वर्ष होना चाहिए पंचायत विकास अधिकारी पद एक साथ सृजित किया जाए, ग्राम सेवक का अतिरिक्त कार्य कम किया जाए, महाराष्ट्र ग्राम पंचायत अधिनियम सभी जिला परिषदों द्वारा प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार 1958 की धारा 49 में संशोधनकरना है तो शिक्षकों की तरह ग्रामसेवा का प्रतिनिधित्व करना है विधान सभा में प्रतिनिधित्व दिया जाए, ग्राम रोजगार सेवकों की मांग में उन्हें अंशकालिक के बजाय पूर्णकालिक कर्मचारी के रूप में नियुक्त किया जाए और कम से कम पंद्रह हजार वेतन दिया जाए, महाराष्ट्र राज्य कंप्यूटर ऑपरेटर, कंप्यूटर की मांग ऑपरेटरों को ग्राम पंचायत कर्मचारी का दर्जा दिया जाए और 500 रुपए वेतन दिया जाए, सिफ़ारिश को स्वीकार कर यह व्यवस्था समाप्त की जाए सहित विभिन्न मांगों को लेकर प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतें तीन दिवसीय बंद रखेंगी। ग्राम पंचायत कर्मचारियों की मांग पर अभय गावलकर समिति की ओर से ग्राम पंचायत अधिनियम की धारा 61 को निरस्त कर ग्राम पंचायत कर्मचारियों को नगर परिषद नगर पंचायत कर्मचारी के समान वेतनमान लागू किया जाए। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस,अजीत पवार निवेदन भेजा गया इस प्रकार की जानकारी अखिल भारतीय सरपंच परिषद के जिला अध्यक्ष चंद्रकुमार बहेकर, सचिव हेमलता चव्हाण, उपाध्यक्ष मनीष गहरवार, महिला जिला अध्यक्ष वर्षा पटले ने दी ।

ये संगठन होंगे शामिल

अखिल भारतीय सरपंच परिषद। ग्राम सेवक संघ डीएनई 136, महाराष्ट्र राज्य ग्राम सेवक संघ 1370। ग्राम रोजगार सेवक संघ महाराष्ट्र राज्य एनजीपी 5775, महाराष्ट्र राज्य कंप्यूटर ऑपरेटर संघ, ग्राम पंचायत कर्मचारी कर्मचारी सेना, महाराष्ट्र राज्य ग्राम रोजगार सेवक संघ। महाराष्ट्र राज्य ग्राम पंचायत और जिला परिषद मजदूर संघ .महाराष्ट्र राज्य ग्राम रोजगार सेवक संघ 5102, महाराष्ट्र राज्य स्वाभिमानी ग्राम पंचायत कर्मचारी संघ पीएन 5139 आदि शामिल होंगे।

15 दिन में ठेकेदार कंपनी ने सर्विस रोड़ की दुरुस्ती नहीं कि तो करेंगे भीख मांगों आंदोलन

परिवहन मंत्री नितीन गडकरी को सरपंच हर्ष मोदी ने लिखा पत्र, NH-53 पर रेलवे उड़ान पुल के मंद गति के कार्य की दी जानकारी

बुलंद गोंदिया। जिले के कोहमारा, सौंदड से होकर गुजरने वाले मुंबई-कोलकाता राष्ट्रीय महामार्ग क्र. 53 (पुराना ह॥-6) पर स्थित सौंदड में रेलवे उड़ान पुल का कार्य पिछले 5 वर्षों से मंदगति से ठेकेदार कंपनी द्वारा किया जा रहा है। इस कार्य के धीमी गति से होने से यातायात बुरी तरह प्रभावित है। हजारों भारी भरकम वाहन सर्विस रोड से जाने से सड़कों की दुर्दशा बेहाल हो गई है। उड़ान पुल के कार्य को गति देने तथा सर्विस रोड की दुरुस्ती हेतु ग्राम पंचायत सौंदड द्वारा राजदीप राजदीप बिल्डकॉन ठेका कंपनी को अनेक बार पत्र देकर सूचित किया गया बावजूद कंपनी अपने कार्य में न तो रफ्तार बड़ा रही है और ना ही सर्विस रोड की मरम्मत कर रही है।इस मामले पर सौंदड ग्राम पंचायत के सरपंच हर्ष मोदी ने देश के केंद्रीय परिवहन, व सड़क निर्माण मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर रेलवे उड़ान पुल के कार्य को गति देने एवं सर्विस रोड के मरम्मत की मांग की है।पत्र में सौंदड ग्रामपंचायत ने लिखा कि रेलवे उड़ान पुल के पिछले 5 वर्षों से मंदगति से चल रहे निर्माण कार्य के चलते प्रतिदिन यातायात बुरी तरह प्रभावित है। नेशनल हाइवे-53 अत्यधिक चलने वाला महामार्ग है। हजारों भारी वाहन, छोटे वाहन, किसानों के फल, सब्जी, धान, गन्ने की फसलों के वाहन यहां से गुजरते है। सबसे अधिक किसानों को गन्ने की, कटाई कर ले जाने में तकलीफ हो रही है। सड़को में जाम, सर्विस सड़क की स्थिति बदहाल होने से व्यवस्था चरमराई हुई है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से अपील की है कि वे ठेकेदार कंपनी को सर्विस रोड की दुरुस्ती के आदेश देकर उड़ान पुल के इस कार्य में गति प्रदान करे। ग्राम पंचायत सौंदड के सरपंच हर्ष विनोदकुमार मोदी ने कहा, अगर 15 दिनों के भीतर सर्विस रोड की दुरुस्ती ठेकेदार कंपनी नही करती है तो ग्राम पंचायत स्थानीय नागरिकों से भीख मांगकर जमा रुपया ठेकेदार को देंगी ताकि इन पैसों से सर्विस रोड की मरम्मत ठेकेदार कंपनी कर सकें।

जलजीवन मिशन के कार्य का भूमिपूजन

तिरोड़ा-केंद्र सरकार की हर घर जल हर घर नल मिशन अंतर्गत इंदोरा खुर्द में जलापूर्ति योजना अंतर्गत 1.50 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं. इस कार्य का भूमिपूजन विधायक विजय रहांगडाले के हस्ते किया गया. उन्होंने कहा कि इस कार्य के पूर्ण होने से हर घर में शुद्ध जल मिलेगा. कार्यक्रम में जिप सदस्य माधुरी रहांगडाले, रजनी कुंभरे, जगदीश बावनथडे, पंस सदस्य रिता पटले, सरपंच सरिता तुमसरे, उपसरपंच कृष्णकुमार चौधरी, सचिन गौतम, कविता ठाकरे, पूर्णिमा शहारे, जितेंद्र पारधी, लता राऊत, कर्जना राऊत, सिंधु लाडे, सरपंच ललिता पटले, शिशुपाल राऊत, मनोहर पटले, कृष्णकुमार पटले, लोकचंद रहांगडाले, पुरणलाल भोयर, शिवकुमार ठाकरे, सुनील तुमसरे, शिवराम जांभुलकर, बंसीलाल कुसराम, गुलशन राउत आदि उपस्थित थे.

मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ की तर्ज पर धान को 3100 रुपए प्रति क्विंटल का भाव और प्रती हेक्टर 50 हजार रुपए नुकसान भरपाई करे-विधायक विनोद अग्रवाल

» महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र में गोंदिया ज़िले की किसानों की के लिए रखी अनेक मांगे

बुलंद गोंदिया। महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र में गोंदिया जिले के किसानो की समस्या की ओर विधायक विनोद अग्रवाल ने सदन का ध्यानाकर्षण किया पिछले कुछ दिन पूर्व गोंदिया जिले में हुए बेमौसमी वर्षा से किसानो को भारी नुकसान हुआ है जिसके लिए तहसीलस्तर पर काम कर रही यंत्रणा तत्काल पंचनामे पूर्ण करते हुए किसानों को प्रती हेक्टर 50 हजार रुपए की सरसकट मदत करे और मध्यप्रदेश व छत्तीसगड के तर्ज पर धान को 3100 रुपए प्रति क्विंटल का भाव दिया जाए साथ ही प्रती हेक्टेयर 20 हजार रुपए बोनस जाहीर किया जाए ऐसी मांग की।

केंद्र सरकार के द्वारा प्रधानमंत्री किसान सन्मान के तहत प्रति वर्ष 6 हजार रूपये दिए जाते है साथ ही महाराष्ट्र सरकार के द्वारा भी मोदी किसान सन्मान के तहत 6 हजार की मदद दी जाती है परन्तु अनेक किसान भाई इस लाभ से वंचित है कुछ किसान भाईयो को 3-4 किश्त मिलने के बाद पैसे मिलने बंद हो गये है अधिकारियों को आदेश दे कर तांत्रिक अड़चन दूर होनि चाहिए 7 हज़ार किसान कर्जमाफ़ी योजना में पात्र होने के बावजूद भी उनकी कर्जमाफ़ी नहीं की गई जिसके कारण उन्हें कृषि ऋण भी नहीं दिया जाता इसलिए किसानों की कर्जमाफी की जाए. इसी के साथ नियमित ऋण भरनेवाले किसानों को मिलनेवाली प्रोत्साहन राशि कुछ किसानों को मिली लेकिन कुछ किसानों को अभी तक नहीं दी गई इस पर भी धान देने की बात विधायक विनोद अग्रवाल ने रखी.

शीतकालीन सत्र में किसानो की अनेक मांगो को रखते हुते दूध उत्पादक किसानों को सरकार ने तय की गई क़ीमत से कम क़ीमत मिल रही है न्यूनतम मूल्य के कम किसानों से दूध ख़रीद ना हो और किसानों को फसल ऋण का लाभ भी बहुत कम पैमाने में मिल रहा है. ज़्यादा से ज़्यादा फसल ऋण के टारगेट बैंक अचीव करे ऐसे अनेक मांगे विधायक विनोद अग्रवाल ने किसानो के हित में महाराष्ट्र में हो रहे शीतकालीन सत्र में रखी।

किसानों को बोनस और बेमौसम बारिश से हुए नुकसान का दे मुआवजा -सांसद प्रफुल्ल पटेल

बुलंद गोंदिया। नागपुर में शीतकालीन सत्र के दौरान सांसद प्रफुल्ल पटेल ने मुख्यमंत्री, दोनों उपमुख्यमंत्रियों देवेंद्र फडणवीस अजीत पवार व खाद्य, नागरिक आपूर्ति मंत्री से मुलाकात की और बेमौसम बारिश से किसानों को हुए नुकसान के मुआवजे और डीबीटी के माध्यम से बोनस के रूप में मदद के बारे में चर्चा कर जल्द से जल्द देने की मांग की। इस साल नवंबर और दिसंबर महीने के आसपास अचानक भारी बारिश के कारण पूर्वी विदर्भ में धान की फसलऔर दालों को भारी नुकसान हुआ। इसके चलते नुकसान का सर्वे कर तुरंत पंचनामा किया जाए और किसानों को नुकसान का तुरंत मुआवजा दिया जाए और किसानों को डीबीटी के माध्यम से 25000 रुपए हेक्टयर मुआवजा दिया जाए। सांसद प्रफुल्ल पटेल ने नागपुर में चल रहे शीतकालीन सत्र में हीं एकनाथ शिन्दें मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र , देवेन्द्र फडनवीस, उपमुख्यमंत्री, महाराष्ट्र , अजीत दादा पवार, उपमुख्यमंत्री, महाराष्ट्र साथ ही खाद्य, नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने मुलाकात कर चर्चा की औरमांग का निवेदन दिया। इस अवसर पर विधायक चंद्रिकापुरे, विधायक राजू कारेमोरे, विधायक विनोद अग्रवाल, विधायक विजय राहंगडाले, पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, बीडीसीसी के अध्यक्ष सुनील फुंडे आदि उपस्थित थे।

सत्तावादी सरकार सत्ता का दुरुपयोग कर सामान्य जनता की आवाज को दबाने के कर रही कार्य-गप्पू गुप्ता

गोंदिया जिला कांग्रेस कमेटी के जिला उपाध्यक्ष अशोक (गप्पू) गुप्ता ने प्रदेश अध्यक्ष नानाभाऊ पटोले की गिरफ्तारी का किया निषेध

बुलंद गोंदिया। महाराष्ट्र प्रदेश युवक कांग्रेस की ओर से विभिन्न मांगों को लेकर विधानसभा नागपुर में महाराष्ट्र की तानाशाही सरकार के खिलाफ विधानसभा घेराव प्रदर्शन किया गया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले उस प्रदर्शन में शामिल हुए, इस दौरान उन्हें महाराष्ट्र की तानाशाह सरकार ने गिरफ्तार कर लिया. महाराष्ट्र की यह तानाशाही सरकार जनता की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है. लेकिन कांग्रेस का कार्यकर्ता न कभी रुका है और न कभी रुकेगा। राज्य में बेरोजगारी चरम पर है, उद्योग विदेश जा रहे हैं और युवा परेशान है. ऐसे सरकार को जगाना है ऐसी प्रतिक्रया कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष अशोक (गप्पू) गुप्ता ने दी। साथ ही कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष अशोक (गप्पू) गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि बीजेपी सरकार सरकारी पदों के बजाय संविदा (कंत्राटी) नौकरियों पर ध्यान केंद्रित कर रही है और आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में यह सरकार सिर्फ सत्ता का इस्तेमाल कर आम लोगों की आवाज को दबा रही है और हमारे प्रदेश के अध्यक्ष जनता के हित में लढ़ रहे है परंतु उनकी गिरफ्तारी की गई जिसका गोंदिया जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से कड़ा विरोध किया जाता है।

नाबालिग युवती को बेचने के मामले में 4 वर्ष से पुलिस को चकमा देकर फरार आरोपी छिंदवाड़ा से गिरफ्तार

बुलंद गोंदिया। दिसम्बर 2018 में गोंदिया शहर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक युवती का कुछ लोगो द्वारा जबर्दस्ती अपहरण कर पैसे के लालच में भोपाल ले जाकर बेचने का मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में 4 वर्षो से पुलिस को चकमा देकर फरार आरोपी को गोंदिया पुलिस ने छिंदवाड़ा से गिरफ्तार किया। इस मामले में फिर्यादि महिला की शिकायत पर शहर थाना पुलिस ने 7 लोगो के खिलाफ भादवि की धारा 366 (ए), 370 आईपीसी उपधारा 17 पॉक्सो के तहत मामला दर्ज किया गया था। उक्त अपराध में प्रमुख अभियुक्त- प्रवीण उर्फ लकी राजेश बरमैया, उम्र 27 वर्ष, निवासी. बीस खोली सुक्लूधाना, पो.स्टे. कुंडीपुरा, जिला. छिंदवाड़ा (म.प्र.) को चार साल बाद पुलिस ने छिंदवाड़ा से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। आरोपी पिछले चार साल से पुलिस को चकमा देकर भाग रहा था। इस गंभीर मामले पर पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा, एसडीपीओ सुनील ताजने ने 4 साल से अपराध में वांछित आरोपियों को जेल में डालने के निर्देश दिए थे। वरिष्ठजनों से प्राप्त निर्देश एवं निर्देशानुसार गोंदियाशहर पुलिस निरीक्षक चंद्रकांत सूर्यवंशी, के नेतृत्व में पुलिस टीम के पुलिस उपनिरीक्षक मंगेश वानखेड़े, पो.हवा. श्यामकुमार कोरे, पी.ओ. सुमित जांगड़े को आरोपी के ठिकाने की गोपनीय जानकारी मिली और छिंदवाड़ा (म.प्र.) जाकर आरोपी को 09/12/2023 को गिरफ्तार कर लिया। आगे की अदालती कार्यवाही और उक्त अपराध की जांच पीआई चंद्रकांत सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में पो. उपनि. मंगेश वानखेड़े कर रहे हैं।

कर्कश आवाज वाले साइलेंसरों पर चला पुलिस का बुलडोजर

गोंदिया। शहर में अपनी बाइक में कानफाड़ू हॉर्न, फैंसी नंबर प्लेट और पटाखों की जैसी कर्कश आवाज निकालने वाले मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर घूमने वाले लड़कों की अब शामत आ गई है।यातायात पुलिस ने अब ऐसे अवैध व नियम विरुद्ध हॉर्न, मोडिफाइड साइलेंसर और फैंसी नंबर प्लेट वालों पर जबरदस्त एक्शन लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। यातायात पुलिस के पुलिस निरीक्षक किशोर पर्वते के मार्गदर्शन में पिछले 15 दिनों में करीब 60 बाइकर्स पर कार्रवाई कर उनके बाइक से कानफाड़ू साइलेंसर, 35 के करीब फैंसी नंबर प्लेट और ककर्स हॉर्न वाले बाइक चालको पर कार्रवाई कर उन्हें निकालने का कार्य किया है। यातायात विभाग के पुलिस निरीक्षक किशोर पर्वते के मार्गदर्शन में आज शहर के जयस्तंभ चौक स्थित प्रशासकीय इमारत के समीप यातायात पुलिस विभाग ने करीब 60 मोडिफाइड साइलेंसर, 35 हॉर्न व नंबर प्लेट सड़कर पर रख उनपर बुलडोजर चलाकर कुचल दिया। यातायात पुलिस का कहना है कि युवा इन अवैध साइलेंसर को बाइक में लगाकर सड़कों पर हंगामा करते हैं. इनकी आवाज से लोगों को जबरदस्त परेशानी होती है. चूंकि, यह अवैध हैं इसलिए इन पर कार्रवाई जरूरी है. पुलिस ने कहा कि कई लोगों ने इन बाइक साइलेंसरों को लेकर मामला संज्ञान में लाया था, जिसे लेकर ये कार्रवाई की गई। पीआई पर्वते ने कहा बाइक के इन अवैध साइलेंसरों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

बेमौसम बारिष फसलों को नुकसान कृषि सभापति कुथे पहुंचे किसानो के खेतो पर जिला कृषि विभाग ने शुरूकिया पंचनामा

बुलंद गोंदिया। जिले में गत 5 दिनो से लगातार बेमौसम बारिश शुरू होने से धान की कटी हुई फसल खराब हो रही है। बेमौसम बारिश से किसानो को भारी नुकसान पहुंच रहा है। जिला परिषद कृषि सभापति रूपेश उर्फ सोनु कुथे कृषि विभाग की टीम को लेकर किसानो के खेतो में पहुंचे और तत्काल नुकसान के पंचनामे करने के निर्देश दिए है। जिला कृषि अधीक्षक व संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारियो ने नुकसानग्रस्त किसानो के खेतो में जाकर पंचनामे शुरू कर दिए है। इस दौरान नुकसानग्रस्त किसानो ने सभापति सोनु कुथे व अधिकारियों को नुकसान की जानकारी दी। गौरतलब है कि हलके धान की फसल कटने के बाद धान की चुराई का काम शुरू है। यहां तक कि भारी धान की फसल की भी कटाई शुरू कर धान के ढेर खेतो में लगाए जा रहे है। लेकिन पिछले 5 दिनो से लगातार बेमौसम बारिश होने से हाथ में आई फसल नष्ट हो रही है। बारिश से कटी हुई फसल बर्बाद होने के कगार पर है। जिससे किसानो में चिंता की लहर छा गई है। किसानो के तत्काल पंचनामे कर नुकसान भरपाई का अहवाल शासन को भेजा जाए इसके लिए स्वयं जिला परिषद कृषि सभापति कुथे किसानो के खेतो की ओर निकल पडे। उनके साथ कृषि अधिक्षक हिंदूराव चव्हाण, कृषि अधिकारी मडामे व कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी किसानों के खेतो में पहुंचे। 7 दिसंबर को गोंदिया के अंभोरा, बटाना, मुंडीपार, नवरगांव, इर्री आदि ग्रामो के नुकसानग्रस्त किसानो के खेतो में जाकर पंचनामे शुरू कर दिए गए है। पंचनामे के दौरान यह बात भी सामने आई है कि कटी हुई धान फसल के साथ खडी फसल व मौसमी फसलो को भी बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है। इस दौरान क्षेत्र के कार्तिक हेमने, लक्ष्मण चौधरी, सोमा तुरकर, नानु तुरकर, चिंतामन चौधरी, शाम रहांगडाले, राजेश रहांगडाले, सुरेंद्र कांबले, भूवी महारवाडे, बेनीराम फुलबांधे आदि बड़ी संख्या में नुकसानग्रस्त किसान उपस्थित थे।

निर्माणाधीन हनुमान द्वार निर्माण का भुमिपुजन पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के हस्ते संपन्न

देश में हर ओर रामलला की धूम प्रभु श्रीराम के आशिर्वाद से होते है अच्छे लोकहित कार्य 14 फरवरी 2024 को विशेष ट्रेन से श्रद्धालु जायेंगे अयोध्या- पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल

बुलंद गोंदिया। जिस तरह रामलला के श्रद्धालुओं की अपेक्षा थी कि, हनुमान मंदिर के इस पावन स्थल पर भव्य हनुमान द्वार का निर्माण हो, मेरा भी संकल्प था कि, निश्चित रूप से हम इस हनुमान द्वार का निर्माण करायेंगे और आज हर्ष की बात है कि, जब देश में हर तरफ रामलला के नाम की धुम है, हमारे गोंदिया में भी प्रभु श्रीराम के परम भक्त श्री हनुमानजी के नाम का भव्य द्वार निर्मीत होने जा रहा है, ऐसे उद्गार पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने गोंदिया शहर के सिव्हील लाईन हनुमान मंदिर के समीप निर्माणाधीन 30 लाख रुपये लागत के भव्य हनुमान द्वार के भुमिपुजन अवसर पर व्यक्त किये।

कार्यक्रम में की अध्यक्षता डॉ. सुधीर जोशी ने की, वहीं अशोक इंगळे, देवेश मिश्रा, जिला सहकारी मजुर संघ अध्यक्ष सचिन (बंटी) मिश्रा, अशोक चौधरी, कैलाशचंद थरड, पुनाजी लिल्हारे, अजय गौर,अमित झा, राजा कदम, दिपक कदम, छैलबिहारी अग्रवाल, पूर्व पार्षद लोकेश (कल्लु) यादव, तिलक लारोकर प्रमुख रुप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर नर्मदा भजन मंडल ने संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ कर वातावरण को भक्तीरस से भर दिया।

कार्यक्रम की प्रस्तावना में भावनाकदम ने कहा कि, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने गोंदिया को उडानपुल, बायपास मार्ग, घर-घर तक पेयजल पुर्ती, भुमीगत गटरा योजना, जिला क्रिडा संकुल जैसे अनेकों अनेक विकास कार्य दिये। इसी सिव्हील लाईन में अनेकों रास्ते, भव्य विद्युत लाईटस, मंदिरों और सामाजिक भवनों का निर्माण कराया, लेकिन इन सब कायों में आज का यह हनुमान द्वार का निर्माण गोंदिया शहर और विशेषकर सिव्हील लाईन के लिये एक ओलीकिक और आध्यात्मिक कार्य है।

उपस्थितों को संबोधित करते हुए पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने आगे कहा कि, आध्यत्मिक कार्य प्रभु के आशिर्वाद से होते है और सफलता रामलला के आशिर्वाद से ही मिल रही है। 22 जनवरी 2024 का जहां अयोध्या में प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर में प्राणप्रतिष्ठा होने जा रही, गोंदिया में भी उस दिन दिपावली बनेगी। गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के श्रद्धालुओं को विशेष ट्रेन से 14 फरवरी 2024 को हम आयोध्या में जाने की योजना बना रहे है। अच्छे कार्य के लिये अच्छी किस्मत और अच्छी नियत दोनों की आवश्यकता होती है और हम भाग्यशाली रहे कि, हनुमान द्वार का निर्माण करने जा रहे है।

इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं की खुशी और उत्साह देखते ही बन रहा था और बार-बार वातावरण में केवल श्रीराम का जयघोष ही सुनाई देता था, यह विशेष उल्लेखनीय है। आगामी हनुमान जयंती के पूर्व भव्य द्वार के निर्माणकार्य को पूर्ण करने का लक्ष पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने रखा है, यह विशेष उल्लेखनीय है। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन पुर्व पार्षद सुनिताताई हेमणे ने किया, वहीं संचालन अपूर्व ने किया।

प्रमुख रुप से हनुमान मंदिर के प्रमुख पंडित सुरेन्द्रजी, चंद्रभान तरोणे, अफमाना पठान, लिनाताई ढोक, सौ. सिमाताई डोये, सुनिल भजे, वसंत ठाकुर, उदय राजनकर, बाबा पाथोडे, रोशन जायसवाल, राजु सोनेवाने, नादीरा मोहंती, मंदा डिसेंट कोरे, निरज कटकवार, सौ. लता बाजपाई, रुपेश नशिने, महेन्द्र देशमुख, हीरामनजी डोंगरवार,राजेश कनौजिया, अमीन शेख, रवि सहारे, छोटेलालजी दुबे,गुलाबचंदजी पोद्दार, इंद्रपाल नागपुरे, शंकर सहारे, राजेन्द्र जगताप, किसन लिल्हारे, रवी हलमारे, सुरेश मुनेश्वर, अशोक यादव, जावेद सिद्दीकी, संजय वानखेडे, मुकेश बारई,डॉ. अक्षत अग्रवाल, द्वारकाताई सावंत, सुनिता हेमणे, श्यामसुंदर अग्रवाल, अमोल मुंगमोडे, राजा कदम, अनिल काळे, पप्पु शेख, सतिश चौव्हान, टिंगु अग्रवाल, राजेश तावाडे, रामचंद थनकळ, प्रवीण मांढरे, अमित आर्या, डालकसिंग बिसेन, डॉ. राणा, अल्का नेचवानी, ठाकुर कोडवानी, विनोद तिवारी, कैलाश कापसे, खुशरंग नागफासे, अनिल सदन, हिरालाल सिंगनजुडे, चंद्रकांत सणस, अजय श्रीवास, पुनाजी लिल्हारे, डॉ. सोनल गुप्ता, भुमिका जैन, सतीश चौव्हान, नारायण विश्वकर्मा, दिलीप भरणे, राजेश दोनोडे, सोमेश्वर ब्राम्हणकर,अरुण भरणे, सुबोध कटरे, जोसेफ, सतिश राऊत, , कुंदा दोनोडे, बबन बेटरे, प्रल्हाद वरदानी, संतोष सुरुसे, शैलेन्द्र मिश्रा, रामदेव मिश्रा, रतन गोपलानी, गुड्डु कटरे, मुलचंद नेचवानी, राजकुमार नानवानी, बबलु पटले, अरुण रोकडे व वॉर्डवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भाजपा के जिला सचिव पद पर राकेश अग्रवाल नियुक्त

बुलंद गोंदिया-भारतीय जनता पार्टी में सक्रियता से कार्य करने वाले गोंदिया के युवा राकेश अग्रवाल को भारतीय जनता पार्टी ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपकर उन्हें जिला सचिव पद पर नियुक्त किया । भाजयुमो छात्र परिषद, में अनेक वर्षों तक सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में रहकर पार्टी के प्रति अपनी भूमिका सफलता पूर्वक निभाने पर राकेश अग्रवाल को भाजपा जिलाध्यक्ष येशुलाल उपराडे ने गोंदिया जिला भाजपा के जिला सचिव पद पर नियुक्त कर उन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। भाजपा जिला सचिव पद की जिम्मेदारी मिलने पर राकेश अग्रवाल ने पक्ष के वरिष्ठ नेताओं, भाजपा जिलाध्यक्ष व अन्य पदाधिकारियों का आभार माना तथा पक्ष की विचारधारा को मजबूत करने का संकल्प लिया।

कृषि विभाग ने किया नुकसान का पंचनामा

मुंडीकोटा/तिरोड़ा-पिछले सप्ताह जिले में हुई बेमौसम बारिश के कारण तिरोड़ा तहसील के वडेगांव में भी भारी नुकसान हुआ. चावल के बीज में मिलावट से संबंधित शिकायतों की जांच तहसील शिकायत निवारण समिति द्वारा की गई थी. समिति में तहसील कृषि अधिकारी गजानन चव्हाण, कृषि अधिकारी सापते, उपविभागीय कृषि अधिकारी गोंदिया, वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र हिवरा के मनोज भोमटे, कृषि अधिकारी बडवाइक, महाबीज भंडारा की पल्लवी बंसोड़, पंस विस्तार अधिकारी काटगाये, कृषि अधिकारी वंजारी का समावेश था. समिति ने किसानों से मुलाकात की और बेमौसम बारिश के कारण वडेगांव में कुछ खेतों का निरीक्षण किया. पिछले सप्ताह की बेमौसम बारिश से कटे हुए धान पानी में भीग गए थे और कई किसानों ने जल्दबाजी में धान की कटाई की थी गंजी बनाकर खेतों में रख दिया था, लेकिन खेतों में पानी जमा होने और धान में पानी चले जाने के कारण धान अंकुरित हुआ वह भी खराब हो गया.

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।